विवरण

स्थापित क्षमता

(राज्य-वार) (अनंतिम)

क्र.स.	राज्य/संघ	शासित प्रदेश	कताई कर्ता	रोटर्स	करघे	विद्युतकरघा	हथकरघा
1		2	3	4	5	6	8
1.	आन्ध्र प्रदेश		1960940	7878	1246	44683	213404
2.	अरूणाचल प्रदेश		---	----	----	----	45060
3.	असम		143088	0	240	2726	1298731
4.	बिहार		180532	0	60	2870	72965
5.	दिल्ली		109156	672	312	1102	8326
6.	गोआ		25916	0	0	122	41
7.	गुजरात		4114810	31200	44920	308165	21165
8.	हरियाणा		366104	51958	211	9882	17378
9.	हिमाचल प्रदेश		339280	1480	0	1302	30991
10.	जम्मू व कश्मीर		619076	992	0	---	25253
11.	कर्नाटक		1162208	11704	2907	58611	76719
12.	केरल		878700	2060	1204	3252	41904
13.	मध्य प्रदेश		1297436	14396	6370	40046	31380
14.	महाराष्ट्र		5071666	42752	37422	663059	66437
15.	मणिपुर		16416	0	0	---	266915
16.	मिजोरम		--	--	---	--	94388
17.	मेघालय		--	--	---	--	7783
18.	नागालैंड		--	--	---	--	71636
19.	उडीसा		378200	3400	1048	3281	92316
20.	पंजाब		1130109	19320	968	22432	11292
21.	राजस्थान		1191756	17216	1462	32568	31694
22.	तमिलनाडु		12093526	98241	5770	292885	402046
23.	त्रिपुरा		---	---	---	---	116659
24.	उत्तर प्रदेश		1964494	7940	11441	65366	543675
25.	पश्चिम बंगाल		1172256	2400	6695	4339	318514
संघ शासित प्रदेश							
26.	दमन ब दीव		5504	0	0	--	--
27.	दादरा नगर हवेली		20160	0	0	464	---
28.	पांडिचेरी		229056	2888	1757	830	4851
	कुल योग		33913288	316517	124033	1557985	3611513

अनंतिम

देश में कर दाताओं की संख्या

*326. **श्री बरजिन्दर सिंह**: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षो के दौरान देश में कर दाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 में कर दाताओं की संख्या कितनी-कितनी था;

(ग) चालू वित्त वर्ष में कर दाताओं की अनुमानित संख्या कितनी है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इन कर दाताओं पर बकाया कर राशि में निरन्तर वृद्धि हो रही है ; और

(ड) यदि हां, तो इस संबंध में वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के वर्षो के दौरान का ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष के दौरान कर की कितनी राशि बकाया रहने का अनुमान लगाया गया है ?

वित्त मंत्रालय (बैंकिंग, राजस्व तथा बीमा) में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम. आर. जनार्दन): (क) जी, हां ।

(ख) और (ग)

वर्ष	**कर निर्धारितियो की कर वास्तविक सं. (लाखो में)**	**निर्धारितीयो की सं. में वृद्धि (लाखो में)**
1995-96	106.64	3.79
1996-97	116.43	9.79
1997-98	131.67	15.24
1.4.98.	152.69*	--
31.10.98		
मार्च, 99 तक (अनुमानित)	160.00*	

*आकंड़े अनंतिम है ।

(घ) जी, हां ।

(ड)

वर्ष	वसूली (रू. करोड़ो में)	वर्ष के अन्त में बकाया धनराशि (रू. करोड़ो में)
1995-96	33557.63	28670
1996-97	38893.97	33585
1997-98	38561.82	45073*
1998-99	47480**	उ. न.
*** आंकड़े अनंतिम है । **बजट लक्ष्य**		

Import of Power from Pakistan

*327. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the quantity of power proposed to be imported from Pakistan;

(b) the capital cost involved in the import of power;

(c) the estimated cost per unit fixed and variable;

(d) whether a cost benefit analysis has been made vis-a-vis evacuation of same quantity of power from eastern zone;

(e) if so, the details of the same; and

(f) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF POWER (SHRI P.R. KUMARMANGALAM): (a) to (f) A seven member Technical team led by Special Secretary in the Ministry of Power visited Pakistan and held technical level discussions with Pakistani delegation on November, 25-26, 1998. It was agreed during the discussions that the next round of discussions would be held in New Delhi on mutually convenient dates for consideration and in-prinicple agreement in the power export possibilty identified for the short term and subject to the conclusion of such agreement, commercial discussions would follow. No final decision has yet been taken.

Amount Locked up due to Unpaid Claims

*328. SHRI JAYANT KUMAR MALHOUTRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the total amount locked up in different nationalised and other banks which belong to the depositors who have died and the claims by their heirs have remained unpaid;

(b) what is the total number of such claims which have remained unpaid;

(c) the average period for which the claims are pending;

(d) whether interest accruing is also paid when the claims are finally settled;